

Nandistavah

——
नन्दिस्तवः

——
Document Information



Text title : nandistavah

File name : nandistavah.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Description/comments : From Shivastotraratnakara, Gita press

Latest update : October 1, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 22, 2022

sanskritdocuments.org



नन्दिस्तवः



कण्ठालङ्कारघण्टाघणघणरणिताध्मातरोदःकटाहः
कण्ठेकालाधिरोहोचितघनसुभगंभावुकस्निग्धपृष्ठः ।
साक्षाद्धर्मो वपुष्मान् धवलककुदनिर्धूतकैलासकूटः
कूटस्थो वः ककुद्यानिविडतरतमःस्तोमतृण्यां वितृण्यात् ॥ १ ॥

अपने गलेके आभूषणरूप घंटेको घन-घन ध्वनिसे आकाश
और पृथ्वीको क्षुब्ध कर देनेवाले भगवान नीलकण्ठ शिवके
आरोहण करनेयोग्य, परिपुष्ट सुन्दर, भावयुक्त तथा स्निग्ध
पृष्ठदेशवाले, साक्षात् शरीरधारी धर्मके प्रतिरूप,
अपने श्वेतवर्णके ककुद् (डील) - को कान्तिसे कैलासशिखरको
निर्मल बना देनेवाले भगवान नन्दिकेश्वर आपलोगोंके घनीभूत
आज्ञानान्धकारसमूहरूप तृणपुंजको छिन्न- भिन्न कर दें ॥ १ ॥

॥ इति नन्दिस्तवः सम्पूर्णः ॥

॥ इस प्रकार नन्दिस्तव सम्पूर्ण हुआ ॥

Proofread by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

